टीम इंडिया को हराना चुनौतीपूर्ण

डिसिल्वा ने वर्चुअल बातचीत में कहा, भारत के पास प्रतिभा की कमी नहीं है। इसलिए इस टीम को दूसरे दर्जे की नहीं कहा जा सकता। दुनिया भर में इस समय रोटेशन के आधार पर ही खिलाड़ियों का चयन हो रहा है चूंकि लगातार बायो बबल में रहना आसान नहीं है। युवा खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए भी यह मानसिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण है।

डिसिल्वा की रणतुंगा को दो टूक–भारत को दोयम दर्जे की टीम कहना गलत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। श्रीलंका के महान बल्लेबाज अरविंद डिसिल्वा ने अपने पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा के दावे को खारिज करते हुए कहा है कि भारतीय क्रिकेट में इतनी गहराई है कि श्रीलंका दौरे पर आई भारतीय टीम को दूसरे दर्जे की नहीं कहा जा सकता।

शिखर धवन की कप्तानी में भारत की युवा टीम श्रीलंका दौरे पर सीमित ओवरों की सीरीज के लिए गई है। तीन मैचों की वनडे सीरीज 13 जुलाई से शुरू होगी। विराट कोहली की कप्तानी में सीनियर खिलाड़ी इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगे। विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान रणतुंगा ने दूसरे दर्जे की भारतीय टीम की मेजबानी के लिए श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को लताड़ते हुए कहा था कि यह किसी अपमान से कम नहीं है। उन्होंने कहा , भविष्य में भी शायद ऐसा ही होगा। श्रीलंका क्रिकेट ने भी रणतुंगा को जवाब देते हुए कहा था , भारतीय टीम के 20 सदस्यों में से 14 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं लिहाजा यह दूसरे दर्जे की टीम नहीं है जैसा कि दावा किया गया है।

द्रविड़ को क्यों टीम इंडिया का फुल टाइम कोच नहीं बनाया जाना चाहिए!

क्रिकेट

टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने बताई अपनी राय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राहुल द्रविड़ इस समय बतौर कोच टीम इंडिया के साथ श्रीलंका दौरे पर गए हुए हैं जहां शिखर धवन की कप्तानी में भारत को तीन–तीन मैचों की वनडे व टी20 सीरीज में हिस्सा लेना है। ये पहला मौका है जब द्रविड़ को टीम इंडिया को कोच बनाया गया है। द्रविड़ को जब से श्रीलंका दौरे के लिए कोच बनाया गया है उसके बाद से ये बात सामने आने लगी कि, क्या वो रवि शास्त्री के बाद भारतीय टीम के कोच बनाए जा सकते हैं। इस मामले में टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने अपनी राय बताई है।

वसीम जाफर ने कारण बताते हुए कहा कि, द्रविड़ को टीम इंडिया का फुल टाइम कोच नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अपने ट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि, हम बात करेंगे भारत–श्रीलंका

सीरीज की, जो बहुत जल्द शुरू हो रही है। एक अंतर्राष्ट्रीय टीम की दो टीमों को एक साथ क्रिकेट खेलते हुए देखना बहुत दुर्लभ है, जो ये दर्शाता है कि भारत की बेंच स्ट्रेंथ कितनी मजबूत है। इसका श्रेय बीसीसीआइ को जाता है जिस तरह से उन्होंने बुनियादी ढांचा विकसित किया है और इसकी वजह से हमें कई ऐसे खिलाड़ी मिले हैं जो शानदार हैं। मुझे लगता है कि इससे भी अधिक श्रेय राहुल द्रविड़ को जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि, जिस तरह से द्रविड़ एनसीए में मुख्य कोच के रूप में काम कर रहे हैं और अंडर–19 खिलाड़ियों, भारत ए के खिलाड़ियों, फ्रिंज खिलाड़ियों और यहां तक कि एनसीए में जाने वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। युवा खिलाड़ियों को द्रविड़ जिस तरह से इंटरनेशनल स्टार बना रहे हैं ये उनसे बेहतर कोई नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि हमें उन्हें भारतीय टीम का कोच बनने के लिए जोर नहीं लगाना चाहिए।

राहुल द्रविड़ की सलाह और मार्गदर्शन की जरूरत अंडर 19 और इंडिया ए के खिलाड़ियों को ज्यादा है। उनका मार्गदर्शन उन्हें अगले स्तर तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए हमारी बेंच स्ट्रेंथ और भी आगे बढ़ाने के लिए उन्हें एनसीए में लंबे समय तक रहने की जरूरत है।

टी 20 विश्व कप टीम में सूर्यकुमार, ईशान और देवदत्त पडिक्कल हो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा के साथ कप्तान विराट कोहली पारी का आगाज कर सकते हैं तो सूर्यकुमार यादव तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आदर्श खिलाड़ी हैं। कोहली और रोहित शर्मा ने इस साल मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के पांचवें मैच में पहली बार पारी का आगाज करते हुए 94 रन की साझेदारी की थी।

उन्होंने 2014 में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी एक साथ सलामी बल्लेबाजी की भूमिका निभाई थी। मांजरेकर ने कहा, श्हां, मुझे लगता है कि वह (सूर्य) इस दौड़ (तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी) में

कुलदीप यादव के लिए श्रीलंका दौरा अहम

सबसे आगे है, खासकर तब जब खबरें आ रही हैं कि रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत के लिए सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि (केएल) राहुल को लेकर उनकी साथ क्या योजना है, निश्चित रूप से सूर्यकुमार यादव जैसे किसी बल्लेबाज की टीम में जगह बनती है। मैंने आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में पूरे सत्र में शायद ही कभी किसी को इतने प्रभावशाली तरीके से बल्लेबाजी करते देखा हो ।

टी20 विश्व कप को 17 अक्टूबर से भारत की जगह संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में आयोजित किया जाएगा। श्रीलंका के खिलाफ 13 जुलाई से शुरू होने वाली आगामी सीरीज के बारे में मांजरेकर ने कहा कि वह संजू सैमसन के बजाय निरंतरता (लगातार अच्छी पारी) के साथ बल्लेबाजी करने वाले ईशान किशन को टीम में देखना पसंद करेंगे। मांजरेकर ने कहा, ईशान किशन मेरी पसंद हैं, ऐसा इस लिए क्योंकि मैं निरंतररता के साथ बल्लेबाजी करने वाला चाहता हूं।

सीमित ओवरों के क्रिकेट में कीपिंग उतनी महत्वपूर्ण नहीं है जितनी टेस्ट मैचों में होती है, टी20 में इसका महत्व और भी कम है, इसलिए आप वास्तव में एक बेहतर बल्लेबाज का चुनाव करना चाहेंगे। पूर्व बल्लेबाज के मुताबिक स्पिनर कुलदीप यादव के लिए भी श्रीलंका दौरा अहम होगा।

मैं भारत से वह सीरीज नहीं हारना चाहता था, कोच पद छोड़ने का इरादा नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ग्रोस आइलेट। अपने प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने वाली भारतीय टीम से मिली हार के बाद से आलोचना का सामना कर रहे ऑस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर का पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। इस साल जनवरी में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2–1 से हराकर टेस्ट सीरीज जीती थी। भारतीय टीम में नियमित कप्तान विराट कोहली नहीं थे और चोट के कारण कई अन्य खिलाड़ी भी बाहर थे। लैंगर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले कहा , श्कुछ बातें बड़ी कन्फ्यूज करने वाली थी। सच कहूं तो मैं काफी आहत भी हुआ। पिछले तीन साल से मुझे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही थी। उन्होंने कहा , अगर बोर्ड और सीईओ और हाई परफार्मेंस मैनेजर को लगता है कि मैं कोच के रूप में सही हूं तो मेरा पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं। मुझे अपने काम से प्यार है। बकौल लैंगर, मैं भारत से वह सीरीज हारना नहीं चाहता था। कोई भी हारना नहीं चाहता। मैं अपने काम के प्रति समर्पित हूं।

न्यूज डायरी

केकेआर के पेसर ने शर्टलेस टॉवल में शेयर की फोटो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाले युवा तेज गेंदबाज कमलेश नागरकोटि की र्टलेस मिरर सेल्फी इस समय सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। भारत के अंडर–19 वर्ल्ड कप चैंपियन टीम के हिस्सा रहे दाएं हाथ के पेसर नागरकोटि ने हाल में बाथरूम में तौलिया लपेटे शर्टलेस मिरर सेल्फी सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। नागरकोटि की इस सेल्फी को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। 21 साल का यह युवा गेंदबाज मॉडल की तरह दिखाई दे रहा है। राजस्थान के बाड़मेर में जन्मे नागरकोटि ने कैप्शन लिखा, आपके पास मेरे और सेल्फी को चुनने के लिए दो ऑप्शन हैं। आप क्या चुनेंगे? फैंस को कमलेश की बॉडी और एब्स काफी पसंद आ रही हैं। फैंस कॉमेंट बॉक्स में अपनी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। नागरकोटि के इस मिरर सेल्फी को अब तक 38 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं।

तोक्यो ओलिंपिक जाने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तोक्यो ओलिंपिक जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों से 13 जुलाई को बात करेंगे। 17 जुलाई को भारतीय खिलाड़ियों का पहला जत्था तोक्यो के लिए रवाना होगा। कोरोना महामारी के कारण यह बातचीत वर्चुअल होगी। सरकार के जनभागीदारी मंच श्मायगव इंडियाश ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले तोक्यो के लिए ओलिंपिक जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उनसे बात करेंगे। भारत का पहला दल एयर इंडिया से रवाना होगा। भारत के 120 से अधिक खिलाड़ियों ने तोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। अभी तक खिलाड़ियों की संख्या की आधिकारिक घोषणा भारतीय ओलंपिक संघ ने नहीं की है। छह बार की विश्व चैंपियन और लंदन ओलिंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ओलिंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक होंगे।

भारत की दूसरे दर्जे की टीम के साथ खेलकर भी करोड़ कमाएगी श्रीलंकाई टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच तीन–तीन मैचों की वनडे और टी20 सीरीज होनी है। श्रीलंका के दौरे पर भारत की दूसरे दर्जे की टीम गई है, क्योंकि नियमित टीम और टीम के कप्तान विराट कोहली इस समय इंग्लैंड के दौरे पर हैं। वहीं, श्रीलंका के दौरे पर शिखर धवन की कप्तानी वाली टीम गई है, जिसमें ज्यादातर युवा खिलाड़ी हैं। हालांकि, श्रीलंका की कमजोर पड़ती जा रही टीम के लिए भारत की दूसरे दर्जे की टीम ही काफी है। इस बीच श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने एक बड़ा दावा इस सीरीज से होने वाली कमाई को लेकर किया है। भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज की मेजबानी करने से श्रीलंका क्रिकेट को बड़ा वित्तीय लाभ होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को भारत के खिलाफ होने वाली छह मैचों की सीरीज से 12 लाख डॉलर की कमाई होगी।

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए श्रीलंका की टीम का ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच अगले सप्ताह से तीन–तीन मैचों की वनडे और टी20 सीरीज खेली जानी है। इसी सीरीज के लिए मेजबान श्रीलंका की टीम का ऐलान हो गया है। इस टीम में कुल 25 खिलाड़ियों को शामिल किया है, लेकिन अभी इस टीम को श्रीलंका के खेल मंत्री से मंजूरी मिलना बाकी है। इतना ही नहीं, सीमित ओवरों की सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपने कप्तान को भी बदल दिया है। भारत के खिलाफ 13 जुलाई से शुरू हो रही वनडे सीरीज से ठीक पहले श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कुसल परेरा से कप्तानी छीन ली है। कुसल परेरा के स्थान पर दसुन शनाका को टीम का कप्तान बनाया गया है, जो इस 25 सदस्यीय टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे।